

MEER SIR ACADEMY

बटला हाउस, जामिया नगर, नई दिल्ली

CTET पेपर-II

हिंदी शिक्षणशास्त्र (Hindi Pedagogy)

250 बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs) — पूर्ण उत्तर कुंजी सहित

विषयवार वर्गीकृत अभ्यास सामग्री

भाषा-द्वितीय (हिंदी) — शिक्षणशास्त्रीय दृष्टिकोण, सिद्धांत एवं कक्षा-व्यवहार

Meer Sir Academy Study Series



MEER SIR
— A C A D E M Y —
Learn Today. Lead Tomorrow.

JMI | AMU | CUET
UPSC | UGC NET | MBA
CTET | NIOS

 www.meersir.com

 8700911759 | 6006688498

निर्देश (Instructions)

- यह अभ्यास-पुस्तिका CTET पेपर-II (कक्षा 6-8 स्तर) के 'भाषा-II: हिंदी' प्रश्नपत्र के शिक्षणशास्त्र (Pedagogy) खंड पर आधारित है।
- कुल 250 बहुविकल्पीय प्रश्न 8 विषयगत खंडों में वर्गीकृत हैं — भाषा अर्जन की प्रकृति, शिक्षण सिद्धांत, श्रवण-वाचन, पठन, लेखन, व्याकरण शिक्षण, मूल्यांकन-उपचारात्मक शिक्षण, तथा शिक्षण सामग्री एवं नीतियाँ।
- प्रत्येक प्रश्न के चार विकल्प (क, ख, ग, घ) दिए गए हैं; सही उत्तर हेतु पुस्तिका के अंत में संलग्न उत्तर कुंजी देखें।
- अभ्यास हेतु सुझाव: पहले सभी प्रश्न स्वयं हल करें, तत्पश्चात् उत्तर कुंजी से मिलान कर अपनी कमजोर अवधारणाओं को चिन्हित करें एवं पुनः अध्ययन करें।
- यह सामग्री केवल Meer Sir Academy के विद्यार्थियों हेतु अभ्यास प्रयोजन के लिए तैयार की गई है।

खंड-विवरण (Section Overview)

क्र.	खंड का नाम	प्रश्न संख्या	कुल
1	भाषा अर्जन एवं अधिगम की प्रकृति	1-32	32
2	भाषा शिक्षण के सिद्धांत एवं उपागम	33-64	32
3	श्रवण एवं वाचन कौशल	65-94	30
4	पठन कौशल	95-124	30
5	लेखन कौशल	125-154	30
6	व्याकरण शिक्षण	155-178	24
7	मूल्यांकन एवं उपचारात्मक शिक्षण	179-214	36
8	शिक्षण सामग्री, पाठ्यपुस्तक एवं बहुभाषिकता	215-250	36

भाषा अर्जन एवं अधिगम की प्रकृति

- भाषा अर्जन (Language Acquisition) मुख्यतः किस रूप में होता है?

(क) अचेतन एवं स्वाभाविक रूप से
(ख) औपचारिक कक्षा-शिक्षण द्वारा

(ग) परीक्षा के दबाव में
(घ) केवल व्याकरण नियमों को रटकर
- नोम चॉम्स्की के अनुसार बालक जन्मजात रूप से किस युक्ति की सहायता से भाषा अर्जित करता है?

(क) LAD (Language Acquisition Device)
(ख) ZPD

(ग) MKO
(घ) BICS
- 'बालक भाषा को उत्तेजना-अनुक्रिया एवं पुनर्बलन द्वारा सीखता है' — यह विचार किस सिद्धांत से संबंधित है?

(क) संज्ञानवाद
(ख) व्यवहारवाद (स्किनर)

(ग) रचनावाद
(घ) समाजसांस्कृतिक सिद्धांत
- भाषा 'अर्जन' (Acquisition) और भाषा 'अधिगम' (Learning) में अंतर किसने स्पष्ट किया?

(क) चॉम्स्की
(ख) पियाजे

(ग) स्टीफन क्रेशन
(घ) वाइगोत्स्की

5. क्रैशन की 'इनपुट परिकल्पना' के अनुसार अर्जन हेतु आवश्यक इनपुट कैसा होना चाहिए?
- (क) $i+1$ (वर्तमान स्तर से थोड़ा ऊपर) (ख) $i-1$ (वर्तमान स्तर से नीचे)
 (ग) केवल अत्यंत सरल (घ) केवल अत्यंत कठिन
6. वाइगोत्स्की के अनुसार भाषा विकास में सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका किसकी है?
- (क) केवल जैविक परिपक्वता की (ख) सामाजिक अंतःक्रिया एवं सांस्कृतिक संदर्भ की
 (ग) व्यक्तिगत एकांत अभ्यास की (घ) केवल पाठ्यपुस्तक की
7. 'समीपस्थ विकास का क्षेत्र' (ZPD) की अवधारणा किसने दी?
- (क) पियाजे (ख) स्किनर
 (ग) चॉम्स्की (घ) वाइगोत्स्की
8. भाषा अधिगम में 'स्कैफोल्डिंग' (Scaffolding) का अर्थ है
- (क) बालक को पूर्णतः स्वतंत्र छोड़ देना (ख) शिक्षक/समर्थ व्यक्ति द्वारा दी गई अस्थायी सहायता
 (ग) कठोर अनुशासन (घ) केवल पुस्तकीय ज्ञान
9. पियाजे के अनुसार भाषा विकास किसका परिणाम है?
- (क) संज्ञानात्मक विकास का (ख) केवल सामाजिक अनुकरण का
 (ग) केवल श्रवण क्षमता का (घ) व्याकरण के औपचारिक ज्ञान का
10. 'बालक जन्मजात सार्वभौमिक व्याकरण (Universal Grammar) के आधार पर भाषा सीखता है' — यह मत है
- (क) स्किनर का (ख) थार्नडाइक का
 (ग) चॉम्स्की का (घ) पावलव का
11. मातृभाषा अर्जन में बालक सर्वप्रथम किस कौशल का विकास करता है?
- (क) लेखन (ख) श्रवण (Listening)
 (ग) पठन (घ) व्याकरण-ज्ञान
12. द्वितीय भाषा अधिगम में 'अंतर्भाषा' (Interlanguage) की अवधारणा किसने दी?
- (क) लैरी सेलिकर (ख) क्रैशन
 (ग) चॉम्स्की (घ) हैलिडे
13. 'भाषा एक सामाजिक व्यवहार है, जो प्रकार्यो (Functions) के माध्यम से सीखी जाती है' — यह मत किसका है?
- (क) स्किनर (ख) पियाजे
 (ग) एम.ए.के. हैलिडे (घ) थार्नडाइक
14. जेम्स कर्मिस द्वारा प्रतिपादित BICS का पूर्ण रूप है
- (क) Basic Interpersonal Communicative Skills (ख) Basic Interlanguage Cognitive Skills
 (ग) Bilingual Instructional Communication System (घ) Basic Interactive Cognitive Study
15. CALP (कर्मिस के अनुसार) किससे संबंधित है?
- (क) दैनिक बोलचाल की भाषा से (ख) शैक्षणिक भाषा दक्षता (Cognitive Academic Language Proficiency) से
 (ग) केवल लेखन से (घ) केवल उच्चारण से

16. कमिंस का 'हिमशैल सिद्धांत' (Iceberg Theory) किससे संबंधित है?

- (क) व्याकरण शिक्षण से (ख) उच्चारण दोष से
(ग) द्विभाषिकता में भाषाओं के मध्य अंतर्निहित सामान्य दक्षता से (घ) लेखन शैली से

17. जो बालक घर में एक भाषा तथा विद्यालय में दूसरी भाषा का प्रयोग करता है, उसे कहा जाता है

- (क) एकभाषी बालक (ख) द्विभाषी बालक
(ग) मूक बालक (घ) भाषा-विकलांग बालक

18. 'क्रमिक द्विभाषिकता' (Sequential Bilingualism) में

- (क) दूसरी भाषा पहली भाषा के आंशिक अर्जन के बाद सीखी जाती है (ख) दोनों भाषाएँ एक साथ जन्म से सीखी जाती हैं
(ग) कोई भाषा नहीं सीखी जाती (घ) केवल लेखन कौशल सीखा जाता है

19. 'समवर्ती द्विभाषिकता' (Simultaneous Bilingualism) में बालक

- (क) पहले एक भाषा फिर दूसरी सीखता है (ख) जन्म से ही दो भाषाओं का एक साथ अर्जन करता है
(ग) केवल वयस्क होने पर भाषा सीखता है (घ) भाषा सीखने में असमर्थ रहता है

20. भाषा-अर्जन में 'मौन काल' (Silent Period) की अवधारणा दर्शाती है कि

- (क) बालक बोलना बंद कर देता है, यह एक विकार है (ख) द्वितीय भाषा सीखने वाला बालक बोलने से पहले सुनकर समझने पर बल देता है
(ग) बालक भाषा सीखने से मना करता है (घ) यह असामान्य व्यवहार है

21. भाषा शिक्षण में 'त्रुटि' (Error) एवं 'भूल' (Mistake) में अंतर है

- (क) दोनों समान हैं (ख) त्रुटि नियमों की अज्ञानता से तथा भूल असावधानी से होती है
(ग) भूल स्थायी होती है, त्रुटि अस्थायी (घ) त्रुटि केवल लेखन में होती है

22. मातृभाषा के प्रभाव से द्वितीय भाषा सीखने में होने वाली त्रुटियों के अध्ययन को कहते हैं

- (क) व्यतिरेकी विश्लेषण (Contrastive Analysis) (ख) रूपांतरण व्याकरण
(ग) प्रोक्ति विश्लेषण (घ) शब्दार्थ विश्लेषण

23. बालक द्वारा 'गयाया' जैसे शब्द बोलना (नियमों का अतिसामान्यीकरण) दर्शाता है कि

- (क) बालक की बुद्धि कमजोर है (ख) बालक सक्रिय रूप से भाषा के नियमों का निर्माण कर रहा है
(ग) बालक को तुरंत उपचार चाहिए (घ) यह असामान्य व्यवहार है

24. NCF 2005 के अनुसार भाषा शिक्षण का आधारभूत सिद्धांत है

- (क) केवल हिंदी में शिक्षण (ख) मातृभाषा के माध्यम से बहुभाषिकता को बढ़ावा देना
(ग) केवल अंग्रेजी में शिक्षण (घ) व्याकरण को सर्वोपरि रखना

25. कक्षा में उपस्थित बहुभाषिकता को शिक्षक को किस रूप में लेना चाहिए?

- (क) समस्या के रूप में (ख) संसाधन (Resource) के रूप में
(ग) उपेक्षा योग्य (घ) दंडनीय

26. 'भाषा एक संरचना है जिसे भागों में सिखाया जाना चाहिए' — यह मत किस उपागम से मेल खाता है?
- (क) संरचनावादी उपागम (ख) समग्र भाषा उपागम
(ग) संप्रेषणात्मक उपागम (घ) प्रकार्यात्मक उपागम
27. 'समग्र भाषा उपागम' (Whole Language Approach) के अनुसार
- (क) पहले वर्ण फिर शब्द फिर वाक्य सिखाना चाहिए (ख) भाषा को समग्र एवं सार्थक संदर्भ में सिखाया जाना चाहिए
(ग) व्याकरण नियमों पर सर्वाधिक बल देना चाहिए (घ) केवल पुनरावृत्ति द्वारा भाषा सिखानी चाहिए
28. बालक की भाषा अशुद्धियों के प्रति शिक्षक का उचित दृष्टिकोण होना चाहिए
- (क) प्रत्येक भूल पर कठोर दंड देना (ख) उन्हें स्वाभाविक अधिगम-प्रक्रिया मानकर सहजता से सुधारना
(ग) बालक का उपहास करना (घ) उसे बोलने से रोकना
29. भाषा विकास हेतु 'इनपुट' के साथ-साथ आवश्यक है
- (क) केवल मौन श्रवण (ख) सार्थक अंतःक्रिया एवं आउटपुट के अवसर
(ग) केवल लेखन अभ्यास (घ) केवल पाठ्यपुस्तक पठन
30. जेरोम ब्रूनर के अनुसार भाषा अर्जन में सहायक प्रणाली को कहा गया है
- (क) LASS (Language Acquisition Support System) (ख) LAD
(ग) ZPD (घ) MKO
31. बहुभाषी कक्षा में 'कोड-स्विचिंग' (Code Switching) है
- (क) एक भाषा विकार (ख) बातचीत में एक से अधिक भाषाओं के प्रयोग की स्वाभाविक भाषिक प्रक्रिया
(ग) असावधानी का परिणाम (घ) सदैव त्रुटिपूर्ण व्यवहार
32. प्रथम भाषा (L1) का द्वितीय भाषा (L2) अधिगम पर प्रभाव कहलाता है
- (क) भाषा विकार (ख) भाषा हानि
(ग) भाषा अंतरण (Language Transfer) (घ) भाषा दमन

भाषा शिक्षण के सिद्धांत एवं उपागम

33. प्रत्यक्ष विधि (Direct Method) में शिक्षण किस भाषा के माध्यम से किया जाता है?
- (क) मातृभाषा के माध्यम से (ख) लक्ष्य भाषा (Target Language) के माध्यम से स्वयं
(ग) अनुवाद के माध्यम से (घ) सांकेतिक भाषा के माध्यम से
34. व्याकरण-अनुवाद विधि (Grammar-Translation Method) में मुख्य बल किस पर होता है?
- (क) व्याकरण नियमों एवं अनुवाद पर (ख) मौखिक अभिव्यक्ति पर
(ग) श्रवण कौशल पर (घ) उच्चारण पर
35. द्विभाषा विधि (Bilingual Method) का प्रतिपादन किसने किया?
- (क) सी.जे. डॉडसन (C.J. Dodson) (ख) पामर
(ग) चॉम्स्की (घ) हैलिडे

36. संरचनात्मक उपागम (Structural Approach) में भाषा शिक्षण किस क्रम में होता है?
- (क) सीधे साहित्य पठन से (ख) केवल लेखन से
(ग) ध्वनि→शब्द→वाक्य संरचना के क्रमिक अभ्यास से (घ) केवल व्याकरण नियम रटाकर
37. श्रवण-भाषिक विधि (Audio-Lingual Method) किस सिद्धांत पर आधारित है?
- (क) रचनावाद (ख) व्यवहारवाद (आदत निर्माण)
(ग) संज्ञानवाद (घ) समाजसांस्कृतिक सिद्धांत
38. संप्रेषणात्मक उपागम (Communicative Language Teaching) में बल किस पर है?
- (क) केवल व्याकरण शुद्धता पर (ख) केवल रटने पर
(ग) वास्तविक संप्रेषण एवं अर्थपूर्ण भाषा-प्रयोग पर (घ) केवल लेखन पर
39. कार्य-आधारित भाषा शिक्षण (Task-Based Language Teaching) में बालक
- (क) सार्थक कार्यों को पूर्ण करते हुए भाषा सीखता है (ख) केवल पाठ्यपुस्तक पढ़ता है
(ग) केवल व्याकरण अभ्यास करता है (घ) परीक्षा हेतु रटता है
40. प्रत्यक्ष अनुभव के आधार पर बालक द्वारा स्वयं ज्ञान का निर्माण किस उपागम की विशेषता है?
- (क) रचनावादी उपागम (Constructivist Approach) (ख) व्यवहारवादी उपागम
(ग) संरचनावादी उपागम (घ) अनुवाद उपागम
41. रचनावादी कक्षा में शिक्षक की भूमिका होती है
- (क) सुविधाप्रदाता (Facilitator) की (ख) केवल व्याख्याता की
(ग) केवल निरीक्षक की (घ) केवल परीक्षक की
42. समाकलित भाषा शिक्षण (Integrated Language Teaching) का अर्थ है
- (क) प्रत्येक कौशल को अलग-अलग खंडों में सिखाना (ख) श्रवण, भाषण, पठन एवं लेखन कौशलों को परस्पर जोड़कर सिखाना
(ग) केवल पठन सिखाना (घ) केवल व्याकरण सिखाना
43. उदार/चयनात्मक विधि (Eclectic Method) में शिक्षक
- (क) केवल एक ही विधि का कठोरता से पालन करता है (ख) विभिन्न विधियों के उपयुक्त अंशों का समन्वित प्रयोग करता है
(ग) किसी विधि का प्रयोग नहीं करता (घ) केवल परंपरागत विधि अपनाता है
44. भाषा शिक्षण में 'त्रि-भाषा सूत्र' (Three Language Formula) किस नीति की देन है?
- (क) राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1968 (ख) RTE अधिनियम 2009
(ग) NCF 2000 (घ) शिक्षा का अधिकार अधिनियम
45. NEP 2020 के अनुसार प्रारंभिक शिक्षा हेतु शिक्षण माध्यम वरीयतः क्या होना चाहिए?
- (क) अंग्रेज़ी अनिवार्यतः (ख) संस्कृत अनिवार्यतः
(ग) मातृभाषा/स्थानीय भाषा (घ) कोई भी विदेशी भाषा
46. भाषा शिक्षण में 'अनुकरण' (Imitation) की भूमिका किस सिद्धांत में प्रमुख मानी गई है?
- (क) व्यवहारवादी सिद्धांत में (ख) रचनावादी सिद्धांत में
(ग) संज्ञानवादी सिद्धांत में (घ) समाजसांस्कृतिक सिद्धांत में

47. सहयोगात्मक अधिगम (Cooperative Learning) में विद्यार्थी

- (क) समूह में परस्पर सहयोग से भाषा सीखते हैं (ख) अकेले बैठकर रटते हैं
(ग) केवल शिक्षक को सुनते हैं (घ) परीक्षा में प्रतिस्पर्धा करते हैं

48. भाषा शिक्षण की 'प्राकृतिक विधि' (Natural Method) का संबंध किससे है?

- (क) फ्रैंकोइस गुइन (François Gouin) (ख) स्किनर
(ग) पावलव (घ) थार्नडाइक

49. 'मौन विधि' (Silent Way) के प्रवर्तक हैं

- (क) केलेब गैटेग्नो (Caleb Gattegno) (ख) चॉम्स्की
(ग) क्रेशन (घ) हैलिडे

50. सुझावात्मक विधि (Suggestopedia) का संबंध किससे है?

- (क) जॉर्जी लोज़ानोव (Georgi Lozanov) (ख) कमिंग्स
(ग) सेलिंगर (घ) ब्रूनर

51. समुदाय भाषा शिक्षण (Community Language Learning) के प्रवर्तक हैं

- (क) चार्ल्स करन (Charles Curran) (ख) गैटेग्नो
(ग) लोज़ानोव (घ) कर्षन

52. खेल-विधि (Play-way Method) भाषा शिक्षण में मुख्यतः किस स्तर पर सर्वाधिक उपयुक्त है?

- (क) उच्च माध्यमिक स्तर पर (ख) प्रारंभिक/प्राथमिक स्तर पर
(ग) स्नातक स्तर पर (घ) शोध स्तर पर

53. कक्षा में कहानी-कथन (Story-telling) विधि भाषा शिक्षण में सहायक है क्योंकि यह

- (क) परीक्षा परिणाम तुरंत बेहतर करती है (ख) शब्द भंडार, कल्पनाशीलता एवं श्रवण कौशल विकसित करती है
(ग) केवल मनोरंजन का साधन है (घ) व्याकरण नियम याद कराती है

54. भूमिका-अभिनय (Role Play) विधि किस कौशल के विकास में सर्वाधिक सहायक है?

- (क) केवल लेखन कौशल में (ख) मौखिक अभिव्यक्ति/वाचन कौशल में
(ग) केवल पठन कौशल में (घ) केवल व्याकरण-ज्ञान में

55. भाषा शिक्षण में परियोजना-विधि (Project Method) का प्रतिपादन किसने किया?

- (क) विलियम किलपैट्रिक (W.H. Kilpatrick) (ख) जॉन ड्यूई अकेले
(ग) पेस्टालॉजी (घ) फ्रॉबेल

56. कक्षा में 'प्रश्नोत्तर विधि' की जड़ें किस प्राचीन विधि में हैं?

- (क) सुकराती विधि (Socratic Method) (ख) व्याकरण-अनुवाद विधि
(ग) श्रवण-भाषिक विधि (घ) द्विभाषा विधि

57. समावेशी कक्षा (Inclusive Classroom) में भाषा शिक्षण हेतु शिक्षक को क्या करना चाहिए?

- (क) सभी बालकों हेतु समान गति व स्तर रखना (ख) विविध आवश्यकताओं के अनुरूप विभेदित शिक्षण रणनीतियाँ अपनानी चाहिए

- (ग) विशेष आवश्यकता वाले बालकों को अलग कक्षा में भेजना (घ) केवल परीक्षा परिणाम पर ध्यान देना
58. भाषा शिक्षण में सहगामी क्रियाएँ जैसे वाद-विवाद, कवि सम्मेलन का उद्देश्य है
(क) केवल समय व्यतीत करना (ख) भाषिक अभिव्यक्ति क्षमता एवं आत्मविश्वास बढ़ाना
(ग) केवल मनोरंजन प्रदान करना (घ) पाठ्यक्रम पूरा करना
59. 'भाषा प्रयोगशाला' (Language Laboratory) का मुख्य उद्देश्य है
(क) श्रवण एवं उच्चारण कौशल का अभ्यास कराना (ख) केवल लेखन अभ्यास कराना
(ग) केवल व्याकरण नियम रटाना (घ) परीक्षा आयोजित करना
60. बहु-कौशल एकीकृत गतिविधि जैसे 'सुनो और चित्र बनाओ' किस दृष्टिकोण को दर्शाती है?
(क) समाकलित भाषा शिक्षण (ख) केवल व्याकरण शिक्षण
(ग) केवल अनुवाद शिक्षण (घ) परीक्षा-केंद्रित शिक्षण
61. भाषा शिक्षण में समवयस्क अधिगम (Peer Learning) का लाभ है
(क) सहज वातावरण में भाषा अभ्यास एवं सामाजिक कौशल विकास (ख) केवल प्रतिस्पर्धा बढ़ाना
(ग) शिक्षक की भूमिका समाप्त होना (घ) केवल समय की बचत
62. 'भाषा एक उपकरण है जिसे प्रयोग द्वारा सीखा जाता है, केवल नियम रटने से नहीं' — यह मत किस उपागम का है?
(क) व्याकरण-अनुवाद उपागम (ख) संप्रेषणात्मक उपागम
(ग) श्रवण-भाषिक उपागम (घ) संरचनात्मक उपागम
63. आगमन विधि (Inductive Method) में व्याकरण शिक्षण
(क) नियम बताकर उदाहरणों की ओर बढ़ता है (ख) उदाहरणों से नियम की ओर बढ़ता है
(ग) केवल परिभाषा रटाई जाती है (घ) केवल अनुवाद कराया जाता है
64. निगमन विधि (Deductive Method) में व्याकरण शिक्षण
(क) उदाहरणों से नियम की ओर बढ़ता है (ख) नियम बताकर फिर उदाहरणों की ओर बढ़ता है
(ग) केवल खेल द्वारा होता है (घ) केवल श्रवण द्वारा होता है

श्रवण एवं वाचन कौशल

65. भाषा अर्जन का सर्वप्रथम एवं आधारभूत कौशल है
(क) लेखन (ख) श्रवण (Listening)
(ग) पठन (घ) व्याकरण
66. सुनकर समझने की क्षमता को कहते हैं
(क) श्रवण बोध (Listening Comprehension) (ख) पठन बोध
(ग) लेखन कौशल (घ) वाचन प्रवाह
67. कक्षा में शिक्षक द्वारा कहानी सुनाना किस कौशल के विकास हेतु विशेष रूप से उपयोगी गतिविधि है?
(क) लेखन कौशल (ख) श्रवण कौशल
(ग) व्याकरण कौशल (घ) वर्तनी कौशल

68. 'सक्रिय श्रवण' (Active Listening) में श्रोता

(क) केवल आवाज़ सुनता है

(ख) ध्यानपूर्वक सुनकर अर्थ ग्रहण करता है एवं प्रतिक्रिया देता है

(ग) सुनने का नाटक करता है

(घ) केवल मौन रहता है

69. वाचन कौशल (Speaking Skill) के विकास हेतु उपयुक्त गतिविधि है

(क) श्रुतलेख

(ख) वाद-विवाद, भूमिका-अभिनय, वार्तालाप

(ग) रिक्त स्थान पूर्ति

(घ) वर्तनी परीक्षा

70. उच्चारण संबंधी त्रुटियों को दूर करने का प्रभावी उपाय है

(क) शुद्ध उच्चारण का बार-बार अभ्यास एवं सजग श्रवण

(ख) बालक को चुप करा देना

(ग) केवल लिखित अभ्यास

(घ) व्याकरण नियम रटाना

71. बालक में हकलाहट (Stammering) की समस्या होने पर शिक्षक को क्या करना चाहिए?

(क) उसे बोलने से रोकना

(ख) धैर्यपूर्वक सुनना, दबाव न डालना, आवश्यकतानुसार विशेषज्ञ से परामर्श लेना

(ग) कक्षा के सामने उपहास करना

(घ) उसे अलग बिठा देना

72. समूह चर्चा (Group Discussion) गतिविधि मुख्यतः किस कौशल को विकसित करती है?

(क) लेखन कौशल

(ख) मौखिक अभिव्यक्ति/वाचन कौशल

(ग) वर्तनी कौशल

(घ) पठन गति

73. 'सुनना' (Hearing) एवं 'श्रवण' (Listening) में अंतर है

(क) दोनों समान हैं

(ख) सुनना एक शारीरिक प्रक्रिया है, श्रवण एक सजग मानसिक प्रक्रिया है

(ग) श्रवण शारीरिक है, सुनना मानसिक है

(घ) कोई अंतर नहीं है

74. सस्वर वाचन (Loud Reading) का विशेष महत्व है

(क) उच्चारण एवं प्रवाह के मूल्यांकन में सहायक होना

(ख) केवल मौन रहने में

(ग) केवल लेखन में सहायक होना

(घ) व्याकरण सिखाने में

75. भाषा शिक्षण में 'श्रुतलेख' (Dictation) का उद्देश्य है

(क) केवल मनोरंजन

(ख) श्रवण एवं वर्तनी कौशल का परीक्षण

(ग) केवल लेखन गति बढ़ाना

(घ) केवल व्याकरण परीक्षण

76. बालकों में आत्मविश्वासपूर्ण मौखिक अभिव्यक्ति हेतु शिक्षक को क्या देना चाहिए?

(क) कठोर आलोचना

(ख) सुरक्षित एवं प्रोत्साहनदायक वातावरण

(ग) बार-बार परीक्षा

(घ) अधिक गृहकार्य

77. 'सुनो और करो' (Listen and Do) गतिविधि प्राथमिक स्तर पर किसलिए उपयोगी है?

(क) निबंध लेखन हेतु

(ख) निर्देश समझने एवं श्रवण कौशल हेतु

(ग) व्याकरण नियम याद कराने हेतु

(घ) परीक्षा तैयारी हेतु

78. भाषण दोष जैसे तुतलाना (Lisping) के निवारण हेतु उपयुक्त कदम है

(क) उपेक्षा करना

(ख) उपचारात्मक शिक्षण एवं आवश्यकता पड़ने पर विशेषज्ञ परामर्श

- (ग) कक्षा से बाहर भेजना (घ) केवल दंड देना
79. कक्षा में प्रश्न पूछने की क्षमता विकसित करना किस कौशल से जुड़ा है?
 (क) केवल लेखन से (ख) मौखिक अभिव्यक्ति एवं चिंतन कौशल से
 (ग) केवल वर्तनी से (घ) केवल श्रुतलेख से
80. 'विराम' (Pause) का उचित प्रयोग किस कौशल का अंग है?
 (क) वाचन/उच्चारण कौशल (ख) लेखन कौशल
 (ग) व्याकरण-ज्ञान (घ) शब्दकोश-प्रयोग
81. बहुभाषी कक्षा में बालक को मातृभाषा में बोलने का अवसर देना क्यों आवश्यक है?
 (क) यह समय की बर्बादी है (ख) यह आत्मविश्वास बढ़ाता है एवं लक्ष्य भाषा सीखने में सेतु का कार्य करता है
 (ग) यह पाठ्यक्रम के विरुद्ध है (घ) इससे कोई लाभ नहीं होता
82. सुनने की प्रक्रिया में 'अनुमान लगाना' (Predicting) है
 (क) एक उपकौशल (Sub-skill) (ख) एक भाषा विकार
 (ग) एक व्याकरणिक नियम (घ) एक लेखन तकनीक
83. कविता का सस्वर पाठ बालकों में मुख्यतः विकसित करता है
 (क) लय, उच्चारण एवं सौंदर्यबोध (ख) केवल वर्तनी ज्ञान
 (ग) केवल व्याकरण-ज्ञान (घ) केवल लेखन गति
84. मौखिक परीक्षा (Oral Test) किस कौशल के मूल्यांकन हेतु सर्वाधिक उपयुक्त है?
 (क) लेखन कौशल (ख) वाचन/श्रवण कौशल
 (ग) केवल वर्तनी (घ) केवल व्याकरण
85. 'प्रभावी श्रोता' बनने के लिए आवश्यक है
 (क) ध्यान केंद्रित करना, मध्य में न टोकना, संकेतों को समझना (ख) केवल शांत बैठना
 (ग) बोलने वाले को तुरंत टोकना (घ) केवल नोट्स बनाना
86. कक्षा में अत्यधिक शोरगुल भरे वातावरण का श्रवण कौशल विकास पर प्रभाव पड़ता है
 (क) सकारात्मक प्रभाव (ख) नकारात्मक प्रभाव, ध्यान भंग होता है
 (ग) कोई प्रभाव नहीं पड़ता (घ) केवल लेखन पर प्रभाव पड़ता है
87. ऑडियो क्लिप सुनवाना किस कौशल हेतु विशेष रूप से प्रभावी शिक्षण सामग्री है?
 (क) लेखन कौशल (ख) श्रवण कौशल
 (ग) वर्तनी कौशल (घ) व्याकरण कौशल
88. बालकों से पारिवारिक अनुभव साझा करने हेतु कहना किस कौशल को बढ़ावा देता है?
 (क) मौखिक अभिव्यक्ति को (ख) केवल लेखन को
 (ग) केवल वर्तनी को (घ) केवल व्याकरण को

89. वाचन में 'प्रवाह' (Fluency) का अर्थ है

(क) धीमी गति से रुक-रुककर पढ़ना

(ख) बिना रुके, स्वाभाविक गति से सही उच्चारण के साथ बोलना

(ग) केवल तेज़ बोलना

(घ) केवल शुद्ध वर्तनी लिखना

90. 'स्वर-आरोह-अवरोह' (Intonation) का महत्व है

(क) अर्थ एवं भाव को सही ढंग से व्यक्त करने में

(ख) केवल वर्तनी सुधार में

(ग) केवल व्याकरण-ज्ञान में

(घ) केवल लेखन गति में

91. भाषा शिक्षण में मूकाभिनय (Mime) गतिविधि सहायक है

(क) गैर-मौखिक संप्रेषण एवं शब्दावली विकास में

(ख) केवल परीक्षा तैयारी में

(ग) केवल व्याकरण शिक्षण में

(घ) केवल लेखन अभ्यास में

92. बहुत कम बोलने वाले बालक के प्रति शिक्षक का दृष्टिकोण होना चाहिए

(क) दबाव डालना कि वह अधिक बोले

(ख) धैर्य, प्रोत्साहन एवं उचित अवसर प्रदान करना

(ग) उसे नज़रअंदाज़ करना

(घ) उसे कम अंक देना

93. कक्षा में सहज वार्तालाप हेतु 'जोड़ी कार्य' (Pair Work) उपयोगी है क्योंकि

(क) यह सभी को बोलने का अवसर देता है

(ख) यह केवल शिक्षक को सुविधा देता है

(ग) यह समय बर्बाद करता है

(घ) यह केवल मेधावी बालकों हेतु उपयुक्त है

94. साक्षात्कार गतिविधि (Interview Activity) विकसित करती है

(क) केवल वर्तनी कौशल

(ख) प्रश्न-निर्माण एवं मौखिक अभिव्यक्ति कौशल

(ग) केवल लेखन गति

(घ) केवल व्याकरण-ज्ञान

पठन कौशल

95. पठन कौशल में 'स्वनिम जागरूकता' (Phonemic Awareness) का अर्थ है

(क) ध्वनियों को पहचानने एवं उनमें भेद करने की क्षमता

(ख) शब्दों को याद रखने की क्षमता

(ग) वाक्य बनाने की क्षमता

(घ) केवल वर्तनी लिखने की क्षमता

96. 'ध्वन्यात्मक विधि' (Phonics Method) में पठन शिक्षण

(क) समग्र शब्द को याद कराकर होता है

(ख) अक्षर-ध्वनि संबंध के आधार पर होता है

(ग) केवल चित्र देखकर होता है

(घ) केवल श्रवण द्वारा होता है

97. 'समग्र शब्द विधि' (Whole Word Method) में बालक

(क) वर्ण-दर-वर्ण जोड़कर पढ़ना सीखता है

(ख) पूरे शब्द को एक इकाई के रूप में पहचानना सीखता है

(ग) केवल व्याकरण नियम सीखता है

(घ) केवल श्रुतलेख करता है

98. 'बॉटम-अप' (Bottom-Up) पठन प्रक्रिया में पाठक

(क) पूर्व ज्ञान से अर्थ का अनुमान लगाता है

(ख) अक्षर→शब्द→वाक्य के क्रम में अर्थ ग्रहण करता है

(ग) केवल चित्र देखता है

(घ) केवल शीर्षक पढ़ता है

99. 'टॉप-डाउन' (Top-Down) पठन प्रक्रिया में पाठक

- (क) पूर्व ज्ञान एवं संदर्भ के आधार पर अर्थ का अनुमान लगाता है
(ग) केवल वर्तनी जाँचता है

- (ख) केवल अक्षर पहचानता है
(घ) शब्द-दर-शब्द अनुवाद करता है

100. 'अंतःक्रियात्मक मॉडल' (Interactive Model) पठन में

- (क) केवल बॉटम-अप प्रक्रिया होती है
(ग) बॉटम-अप एवं टॉप-डाउन दोनों प्रक्रियाओं का समन्वय होता है

- (ख) केवल टॉप-डाउन प्रक्रिया होती है
(घ) कोई प्रक्रिया नहीं होती

101. सरसरी तौर पर पढ़कर मुख्य विचार जानना कहलाता है

- (क) स्कैनिंग (Scanning)
(ग) गहन पठन

- (ख) स्किमिंग (Skimming)
(घ) श्रुतलेख

102. किसी विशेष सूचना को शीघ्रता से खोजने हेतु पढ़ना कहलाता है

- (क) स्किमिंग (Skimming)
(ग) विस्तृत पठन

- (ख) स्कैनिंग (Scanning)
(घ) मौन पठन

103. गहन एवं विस्तृत रूप से बारीकी से पढ़ना कहलाता है

- (क) गहन पठन (Intensive Reading)
(ग) स्किमिंग

- (ख) विस्तृत पठन (Extensive Reading)
(घ) स्कैनिंग

104. आनंद एवं व्यापक ज्ञान हेतु स्वेच्छा से पढ़ना कहलाता है

- (क) गहन पठन
(ग) स्कैनिंग

- (ख) विस्तृत पठन (Extensive Reading)
(घ) श्रुतलेख

105. पठन बोध (Reading Comprehension) का मूल्यांकन किस प्रकार के प्रश्नों से किया जाता है?

- (क) व्याकरण के सूत्र आधारित प्रश्नों से
(ग) केवल श्रुतलेख से

- (ख) अनुच्छेद आधारित बोध प्रश्नों से
(घ) केवल वर्तनी परीक्षण से

106. 'डिस्लेक्सिया' (Dyslexia) क्या है?

- (क) एक श्रवण विकार
(ग) एक लेखन उपकरण

- (ख) एक पठन संबंधी विशिष्ट अधिगम कठिनाई
(घ) एक शिक्षण विधि

107. डिस्लेक्सिया से ग्रस्त बालक की शिक्षक द्वारा सहायता का उचित तरीका है

- (क) उसे अन्य बालकों से अलग कर देना
(ग) उसे कम अंक देना

- (ख) बहु-संवेदी विधियों एवं धैर्यपूर्ण उपचारात्मक शिक्षण द्वारा
(घ) उसे पढ़ने से रोकना

108. पठन शिक्षण में चित्रों के साथ पाठ प्रस्तुत करना सहायक है क्योंकि

- (क) यह संदर्भ एवं अर्थ ग्रहण करने में सहायता करता है
(ग) इसका पठन बोध से कोई संबंध नहीं है

- (ख) यह केवल सुंदरता बढ़ाता है
(घ) यह समय की बर्बादी है

109. वर्णमाला-आधारित पठन शिक्षण किस विधि से संबंधित है?

- (क) समग्र भाषा उपागम

- (ख) ध्वन्यात्मक विधि

- (ग) संप्रेषणात्मक उपागम (घ) परियोजना विधि
110. 'प्रवाहपूर्ण पठन' (Fluent Reading) की विशेषता है
 (क) धीमी एवं रुकी हुई गति (ख) सही गति, सही उच्चारण एवं समझ के साथ पढ़ना
 (ग) केवल तेज़ गति, समझ के बिना (घ) केवल मौन रहना
111. बड़े अक्षरों वाली, चित्रयुक्त प्रारंभिक पुस्तकें (Big Books) प्राथमिक कक्षा में उपयोगी हैं क्योंकि
 (क) ये साझा पठन एवं दृश्य पहचान को बढ़ावा देती हैं (ख) इनमें कोई चित्र नहीं होते
 (ग) ये केवल उच्च कक्षाओं हेतु हैं (घ) इनका पठन से कोई संबंध नहीं है
112. 'साझा पठन' (Shared Reading) में
 (क) बालक अकेले पढ़ता है (ख) शिक्षक एवं विद्यार्थी मिलकर एक पाठ को पढ़ते हैं
 (ग) केवल शिक्षक पढ़ता है (घ) कोई नहीं पढ़ता, केवल सुनता है
113. 'निर्देशित पठन' (Guided Reading) में शिक्षक की भूमिका है
 (क) छोटे समूह में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करना (ख) पूरी तरह अनुपस्थित रहना
 (ग) केवल मूल्यांकन करना (घ) केवल दंड देना
114. पठन में शब्द-भंडार (Vocabulary) विकास का सर्वोत्तम तरीका है
 (क) शब्दों को अलग-अलग रटवाना (ख) संदर्भ सहित नए शब्दों का बार-बार सार्थक प्रयोग
 (ग) केवल शब्दकोश देखना (घ) केवल परीक्षा देना
115. पाठ के बाद अनुमान, निष्कर्ष एवं आलोचनात्मक प्रश्न पूछना किस कौशल को विकसित करता है?
 (क) केवल स्मृति कौशल को (ख) उच्च स्तरीय चिंतन एवं आलोचनात्मक पठन कौशल को
 (ग) केवल वर्तनी कौशल को (घ) केवल श्रुतलेख कौशल को
116. पठन बोध में 'अनुमान लगाना' (Inference) का अर्थ है
 (क) पाठ में सीधे लिखी बातों को दोहराना (ख) पाठ में सीधे न लिखी बातों को संदर्भ से समझना
 (ग) केवल शब्दों की वर्तनी जाँचना (घ) केवल शीर्षक पढ़ना
117. वर्तनी एवं पठन कठिनाई वाले बालक की पहचान हेतु प्रयुक्त परीक्षण कहलाता है
 (क) संकलनात्मक परीक्षण (ख) निदानात्मक परीक्षण (Diagnostic Test)
 (ग) मौखिक परीक्षा (घ) बहुविकल्पीय परीक्षण
118. पठन शिक्षण में 'आँख-गति' (Eye Movement) प्रशिक्षण किससे संबंधित है?
 (क) पठन गति एवं दक्षता सुधार से (ख) केवल व्याकरण से
 (ग) केवल लेखन से (घ) केवल श्रवण से
119. पाठ्यपुस्तक के अतिरिक्त पूरक पठन सामग्री (Supplementary Reading) का उद्देश्य है
 (क) केवल परीक्षा तैयारी (ख) पठन रुचि एवं शब्द-भंडार का विस्तार
 (ग) केवल गृहकार्य बढ़ाना (घ) पाठ्यक्रम को कठिन बनाना
120. पठन में 'स्व-सुधार' (Self-Correction) क्षमता दर्शाती है
 (क) बालक की मेटाकॉग्निटिव (अधिचिंतन) जागरूकता (ख) बालक की कमजोर स्मृति

- (ग) बालक का भाषा विकार (घ) बालक की असावधानी
121. मौन पठन (Silent Reading) का मुख्य लाभ है
 (क) एकाग्रता एवं गहन बोध विकसित होना (ख) केवल उच्चारण सुधरना
 (ग) केवल वर्तनी सुधरना (घ) केवल समय बचना
122. पठन कठिनाई वाले बालकों हेतु बड़े एवं स्पष्ट फॉन्ट तथा पर्याप्त स्थान वाली सामग्री देना किस सिद्धांत का उदाहरण है?
 (क) परीक्षा-केंद्रित शिक्षण (ख) समावेशी शिक्षण (Inclusive Practice)
 (ग) व्याकरण-अनुवाद विधि (घ) श्रवण-भाषिक विधि
123. पठन शिक्षण में चित्र-शब्द मिलान गतिविधि सर्वाधिक उपयुक्त है
 (क) उच्च कक्षाओं में निबंध हेतु (ख) प्रारंभिक स्तर पर शब्द पहचान हेतु
 (ग) केवल व्याकरण परीक्षण हेतु (घ) केवल वर्तनी परीक्षण हेतु
124. पठन के दौरान बालक द्वारा उँगली से शब्दों पर इशारा करना (Finger Pointing) है
 (क) सदैव गंभीर विकार (ख) प्रारंभिक अवस्था की स्वाभाविक प्रक्रिया, जो धीरे-धीरे समाप्त होनी चाहिए
 (ग) असावधानी का संकेत (घ) व्याकरणिक त्रुटि

लेखन कौशल

125. लेखन कौशल के विकास का प्रथम चरण सामान्यतः है
 (क) निबंध लेखन (ख) रेखांकन/चित्रांकन एवं अक्षर पहचान
 (ग) पत्र लेखन (घ) सृजनात्मक लेखन
126. 'यांत्रिक लेखन' (Mechanics of Writing) में सम्मिलित है
 (क) अक्षर आकृति, स्थान, विराम चिह्न (ख) केवल विचारों की मौलिकता
 (ग) केवल कल्पनाशीलता (घ) केवल शब्द-चयन
127. 'सृजनात्मक लेखन' (Creative Writing) को बढ़ावा देने हेतु उपयुक्त गतिविधि है
 (क) श्रुतलेख (ख) कहानी/कविता स्वरचित लिखवाना
 (ग) केवल नकल-लेखन (घ) केवल वर्तनी अभ्यास
128. निर्देशित लेखन (Guided Writing) में शिक्षक
 (क) कोई सहायता नहीं देता (ख) संकेत/रूपरेखा देकर लेखन में सहायता करता है
 (ग) केवल अंक देता है (घ) बालक की जगह स्वयं लिखता है
129. स्वतंत्र लेखन (Free/Independent Writing) का उद्देश्य है
 (क) बालक की स्वाभाविक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करना (ख) केवल व्याकरण जाँचना
 (ग) केवल वर्तनी जाँचना (घ) शिक्षक के विचार थोपना
130. लेखन प्रक्रिया में सबसे पहला चरण होता है
 (क) अंतिम प्रस्तुति (ख) विचार-निर्माण/पूर्व-लेखन योजना (Pre-writing)

- (ग) संपादन (घ) प्रकाशन
131. लेखन प्रक्रिया उपागम (Process Writing Approach) में सम्मिलित चरण है
 (क) केवल अंतिम प्रति लिखना (ख) योजना, प्रारूप लेखन, पुनरीक्षण, संपादन, अंतिम प्रस्तुति
 (ग) केवल श्रुतलेख (घ) केवल नकल करना
132. वर्तनी अशुद्धियों को सुधारने का प्रभावी तरीका है
 (क) बार-बार सही रूप में लेखन अभ्यास एवं शब्द के ध्वनि-संबंध पर बल (ख) बालक को दंड देना
 (ग) वर्तनी अभ्यास बंद कर देना (घ) केवल मौखिक रूप से बताना
133. लिखावट (Handwriting) संबंधी समस्या वाले बालक हेतु उपयुक्त सहायता है
 (क) पकड़ (Grip) एवं अभ्यास हेतु धैर्यपूर्ण मार्गदर्शन (ख) लिखने से रोकना
 (ग) कम अंक देना (घ) उपहास करना
134. 'डिसग्राफिया' (Dysgraphia) संबंधित है
 (क) श्रवण संबंधी कठिनाई से (ख) लेखन संबंधी विशिष्ट अधिगम कठिनाई से
 (ग) केवल उच्चारण दोष से (घ) केवल स्मृति दोष से
135. निबंध लेखन मुख्यतः विकसित करता है
 (क) तार्किक विचार-संगठन एवं विस्तृत अभिव्यक्ति क्षमता (ख) केवल वर्तनी ज्ञान
 (ग) केवल उच्चारण (घ) केवल श्रवण कौशल
136. पत्र-लेखन शिक्षण का उद्देश्य है
 (क) औपचारिक एवं अनौपचारिक संप्रेषण क्षमता विकसित करना (ख) केवल परीक्षा में अंक प्राप्त करना
 (ग) केवल सुंदर लिखावट दिखाना (घ) केवल व्याकरण परीक्षण
137. अनुच्छेद लेखन में बालक को सबसे पहले क्या सिखाया जाना चाहिए?
 (क) कठिन शब्दों का प्रयोग (ख) मुख्य विचार को केंद्र में रखकर संगठित लेखन
 (ग) लंबे वाक्य लिखना (घ) केवल मुहावरों का प्रयोग
138. सहयोगात्मक लेखन (Collaborative Writing) गतिविधि जैसे समूह में कहानी आगे बढ़ाना विकसित करती है
 (क) रचनात्मकता एवं सहयोग कौशल (ख) केवल वर्तनी ज्ञान
 (ग) केवल व्याकरण-ज्ञान (घ) केवल स्मृति
139. लेखन मूल्यांकन में 'समग्र मूल्यांकन' (Holistic Assessment) का अर्थ है
 (क) केवल वर्तनी/व्याकरण जाँचना (ख) संपूर्ण रचना का समेकित रूप से मूल्यांकन करना
 (ग) केवल शब्द-संख्या गिनना (घ) केवल लिखावट देखना
140. पोर्टफोलियो आधारित मूल्यांकन लेखन कौशल में सहायक है क्योंकि यह
 (क) समय के साथ बालक की प्रगति को दर्शाता है (ख) केवल एक दिन का मूल्यांकन करता है
 (ग) केवल परीक्षा के अंक दिखाता है (घ) इसका कोई शैक्षणिक महत्व नहीं है

141. लेखन शिक्षण में 'मॉडल पाठ' (Model Text) प्रस्तुत करने का उद्देश्य है
 (क) संरचना एवं शैली का उदाहरण देना (ख) बालक को नकल कराना मात्र
 (ग) परीक्षा में प्रयोग हेतु रटवाना (घ) समय व्यतीत करना
142. रचनात्मक प्रतिक्रिया (Constructive Feedback) देने का उचित तरीका है
 (क) केवल त्रुटियाँ गिनाना (ख) सकारात्मक बिंदुओं के साथ सुधार हेतु विशिष्ट सुझाव देना
 (ग) पूरी रचना को अस्वीकार करना (घ) कोई प्रतिक्रिया न देना
143. लेखन में विराम चिह्नों (Punctuation) का सही प्रयोग सिखाना किस स्तर से आवश्यक है?
 (क) केवल स्नातक स्तर से (ख) प्रारंभिक स्तर से क्रमिक रूप से
 (ग) केवल माध्यमिक स्तर से (घ) इसकी आवश्यकता नहीं है
144. 'जर्नल लेखन' (Journal Writing) बालकों में विकसित करता है
 (क) नियमित अभिव्यक्ति की आदत एवं आत्म-चिंतन (ख) केवल परीक्षा कौशल
 (ग) केवल वर्तनी ज्ञान (घ) केवल व्याकरण-ज्ञान
145. चित्र देखकर कहानी लिखना (Picture Composition) किस कौशल का मूल्यांकन करता है?
 (क) कल्पनाशीलता एवं लेखन अभिव्यक्ति (ख) केवल श्रवण कौशल
 (ग) केवल वर्तनी कौशल (घ) केवल व्याकरण-ज्ञान
146. लेखन में 'पुनरीक्षण' (Revision) का अर्थ है
 (क) केवल वर्तनी जाँचना (ख) सामग्री एवं विचारों में सुधार करना
 (ग) रचना को पूरी तरह मिटा देना (घ) केवल शीर्षक बदलना
147. लेखन में 'संपादन' (Editing) चरण संबंधित है
 (क) व्याकरण, वर्तनी एवं विराम चिह्नों की अंतिम जाँच से (ख) केवल विचारों के निर्माण से
 (ग) केवल योजना बनाने से (घ) केवल शीर्षक चयन से
148. बाएँ हाथ से लिखने वाले (Left-handed) बालकों के प्रति शिक्षक का उचित दृष्टिकोण है
 (क) उन्हें दाएँ हाथ से लिखने हेतु बाध्य करना (ख) सहज स्वीकृति एवं उचित बैठक-व्यवस्था प्रदान करना, दबाव न डालना
 (ग) उन्हें कम अंक देना (घ) उन्हें अलग कक्षा में बिठाना
149. सुलेख (सुंदर लेखन) अभ्यास का उद्देश्य है
 (क) स्पष्ट एवं सुपाठ्य लिखावट विकसित करना (ख) केवल समय व्यतीत करना
 (ग) केवल परीक्षा हेतु अंक प्राप्त करना (घ) व्याकरण सिखाना
150. औपचारिक लेखन एवं अनौपचारिक लेखन में अंतर सिखाना किसे विकसित करता है?
 (क) संदर्भानुकूल भाषा प्रयोग क्षमता को (ख) केवल वर्तनी को
 (ग) केवल उच्चारण को (घ) केवल श्रवण को
151. लेखन में शब्द-सीमा (Word Limit) देना किस उद्देश्य से उपयोगी है?
 (क) बालक को हतोत्साहित करने हेतु (ख) संक्षिप्त एवं सारगर्भित अभिव्यक्ति का अभ्यास कराने हेतु

- (ग) समय बर्बाद करने हेतु (घ) कोई विशेष उद्देश्य नहीं
152. डिजिटल माध्यम (जैसे टाइपिंग) से लेखन अभ्यास कराना आज के संदर्भ में
 (क) पूर्णतः अनुपयुक्त है (ख) उपयोगी है, परंतु हस्तलेखन कौशल की उपेक्षा नहीं होनी चाहिए
 (ग) हस्तलेखन का पूर्ण विकल्प है (घ) केवल उच्च कक्षाओं हेतु है
153. लेखन त्रुटियों को हर बार लाल स्याही से बड़े पैमाने पर चिह्नित करना
 (क) सर्वोत्तम एवं प्रोत्साहक तरीका है (ख) हतोत्साहित करने वाला दृष्टिकोण है, संतुलित प्रतिक्रिया उपयुक्त है
 (ग) अनिवार्य नियम है (घ) इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ता
154. संवाद-लेखन (Dialogue Writing) अभ्यास विकसित करता है
 (क) संप्रेषण की स्वाभाविकता एवं वाक्य-संरचना कौशल (ख) केवल वर्तनी ज्ञान
 (ग) केवल श्रवण कौशल (घ) केवल पठन गति

व्याकरण शिक्षण

155. व्याकरण शिक्षण का प्रमुख उद्देश्य है
 (क) भाषा का शुद्ध एवं प्रभावी प्रयोग करने में सक्षम बनाना (ख) केवल परिभाषाएँ रटाना
 (ग) केवल परीक्षा उत्तीर्ण कराना (घ) केवल सूत्र याद कराना
156. व्याकरण के नियम बालक को किस प्रकार सिखाए जाने चाहिए?
 (क) अलग से रटाकर (ख) प्रयोग एवं संदर्भ के माध्यम से
 (ग) केवल परीक्षा से पूर्व (घ) केवल परिभाषा के रूप में
157. 'संदर्भ-आधारित व्याकरण शिक्षण' (Contextual Grammar Teaching) का अर्थ है
 (क) नियमों को पृथक् रूप से रटाना (ख) पाठ/वार्तालाप के संदर्भ में व्याकरण नियमों को समझाना
 (ग) केवल परीक्षा में प्रयोग करना (घ) केवल पुस्तक से कॉपी करना
158. प्रारंभिक कक्षाओं में व्याकरण शिक्षण किस रूप में होना चाहिए?
 (क) औपचारिक सूत्र आधारित रूप में (ख) अप्रत्यक्ष एवं क्रियाकलाप आधारित रूप में
 (ग) केवल परीक्षा आधारित रूप में (घ) केवल लिखित रूप में
159. व्याकरण की परिभाषाएँ एवं सूत्र रटाना मुख्यतः किसे बढ़ावा देता है?
 (क) सार्थक अधिगम को (ख) यांत्रिक अधिगम को
 (ग) संप्रेषण क्षमता को (घ) रचनात्मकता को
160. समुचित वाक्य-प्रयोग द्वारा नियम निकलवाना किस उपागम का उदाहरण है?
 (क) निगमन विधि (ख) आगमन विधि (Inductive)
 (ग) अनुवाद विधि (घ) श्रुतलेख विधि

161. व्याकरण की अशुद्धियों को सुधारने का उपयुक्त समय है

- (क) संप्रेषण के प्रवाह को बाधित किए बिना, उपयुक्त अवसर पर
(ग) कभी नहीं

- (ख) हमेशा तुरंत बीच में टोककर
(घ) केवल परीक्षा के समय

162. भाषा शिक्षण में व्याकरण को किस रूप में देखा जाना चाहिए?

- (क) साध्य (Goal) के रूप में
(ग) केवल परीक्षा विषय के रूप में

- (ख) संप्रेषण को प्रभावी बनाने के साधन के रूप में
(घ) व्याकरण का कोई महत्व नहीं

163. वाक्य-रचना अभ्यास (Sentence Construction Practice) विकसित करता है

- (क) व्याकरणिक शुद्धता एवं वाक्य-बोध
(ग) केवल श्रवण कौशल

- (ख) केवल स्मृति
(घ) केवल पठन गति

164. रिक्त स्थान पूर्ति (Fill in the Blanks) अभ्यास व्याकरण शिक्षण में उपयोगी है क्योंकि यह

- (क) नियमों के व्यावहारिक प्रयोग का अवसर देता है
(ग) इसका कोई शैक्षणिक महत्व नहीं

- (ख) केवल परीक्षा प्रारूप है
(घ) केवल समय व्यतीत करता है

165. कारक, लिंग, वचन जैसे व्याकरणिक तत्व बालक द्वारा सर्वप्रथम कैसे सीखे जाते हैं?

- (क) औपचारिक नियमों के माध्यम से पहले
(ग) केवल पाठ्यपुस्तक पढ़कर

- (ख) स्वाभाविक भाषा प्रयोग के माध्यम से, औपचारिक नियमों से पहले
(घ) केवल परीक्षा देकर

166. व्याकरण शिक्षण में खेल-आधारित गतिविधियाँ (जैसे शब्द-पहेली) उपयोगी हैं क्योंकि

- (क) ये रुचिपूर्ण एवं तनावमुक्त वातावरण में अधिगम कराती हैं
(ग) इनका सीखने से कोई संबंध नहीं

- (ख) ये केवल मनोरंजन हेतु हैं
(घ) ये केवल उच्च कक्षाओं हेतु उपयुक्त हैं

167. मानक भाषा एवं क्षेत्रीय बोली के प्रति शिक्षक का दृष्टिकोण होना चाहिए

- (क) बोली को हीन समझना
(ग) केवल मानक भाषा स्वीकार करना, बोली को दंडित करना

- (ख) दोनों का सम्मान करते हुए मानक रूप की ओर क्रमिक मार्गदर्शन
(घ) बोली बोलने पर रोक लगाना

168. वाक्य रूपांतरण अभ्यास (जैसे कर्तृवाच्य से कर्मवाच्य) विकसित करता है

- (क) वाक्य-संरचना की गहन समझ
(ग) केवल श्रवण कौशल

- (ख) केवल स्मृति
(घ) केवल उच्चारण

169. व्याकरण मूल्यांकन में केवल परिभाषा पूछना पर्याप्त क्यों नहीं है?

- (क) यह केवल स्मृति-आधारित है, प्रयोग-क्षमता का मूल्यांकन नहीं करता
(ग) इसमें बहुत समय लगता है

- (ख) परिभाषाएँ कठिन होती हैं
(घ) इसका कोई कारण नहीं

170. समास, संधि, अलंकार आदि उच्च कक्षाओं में पढ़ाते समय शिक्षक को क्या ध्यान रखना चाहिए?

- (क) केवल सूत्र रटाना पर्याप्त है
(ग) इन्हें छोड़ देना चाहिए

- (ख) उदाहरणों एवं संदर्भ सहित क्रमिक एवं रोचक शिक्षण
(घ) केवल परीक्षा हेतु महत्वपूर्ण प्रश्न रटाना

171. व्याकरण त्रुटियों के प्रति सुधारात्मक फीडबैक कैसा होना चाहिए?

- (क) तुरंत हतोत्साहित करने वाला (ख) सकारात्मक ढंग से दिया जाना चाहिए
(ग) बिल्कुल नहीं दिया जाना चाहिए (घ) केवल लिखित रूप में ही दिया जाना चाहिए

172. भाषा प्रयोग में शुद्धता (Accuracy) एवं प्रवाह (Fluency) में संतुलन आवश्यक है क्योंकि

- (क) अत्यधिक शुद्धता पर बल संप्रेषण में बाधा डाल सकता है (ख) शुद्धता का कोई महत्व नहीं है
(ग) प्रवाह का कोई महत्व नहीं (घ) दोनों में कोई संबंध नहीं

173. मौखिक भाषा में हुई व्याकरणिक त्रुटियों को लिखित भाषा की तुलना में किस दृष्टि से देखा जाना चाहिए?

- (क) समान कठोरता से (ख) अधिक सहनशीलता के साथ, क्योंकि मौखिक भाषा स्वतःस्फूर्त होती है
(ग) अधिक कठोरता से (घ) बिल्कुल नज़रअंदाज़ करके

174. व्याकरण शिक्षण में 'प्रासंगिक अभ्यास पत्रिका' (Worksheet) का उद्देश्य है

- (क) नियमों के व्यावहारिक अनुप्रयोग का अभ्यास कराना (ख) केवल समय व्यतीत करना
(ग) केवल परीक्षा प्रारूप दिखाना (घ) इसका कोई विशेष उद्देश्य नहीं

175. भाषा में विभिन्न वाक्य प्रकार (सरल, संयुक्त, मिश्र) सिखाने का उद्देश्य है

- (क) अभिव्यक्ति में विविधता एवं जटिलता विकसित करना (ख) केवल परीक्षा प्रश्न हल करना
(ग) केवल वर्तनी सुधारना (घ) इसका कोई महत्व नहीं

176. 'भाषिक क्षमता' (Linguistic Competence) एवं 'भाषिक निष्पादन' (Linguistic Performance) में भेद किसने किया?

- (क) वाइगोत्स्की (ख) नोम चॉम्स्की
(ग) पियाजे (घ) स्किनर

177. मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ सिखाने का उद्देश्य है

- (क) भाषा को सजीव एवं सांस्कृतिक रूप से समृद्ध बनाना (ख) केवल परीक्षा उत्तीर्ण कराना
(ग) केवल वर्तनी सुधारना (घ) इनका कोई शैक्षणिक महत्व नहीं

178. व्याकरण शिक्षण की सार्थकता तब है जब बालक

- (क) केवल परिभाषा दोहरा सके (ख) नियमों को नए संदर्भों में सही ढंग से प्रयोग कर सके
(ग) केवल परीक्षा में अंक प्राप्त कर सके (घ) केवल पुस्तक की पंक्तियाँ याद कर सके

मूल्यांकन एवं उपचारात्मक शिक्षण

179. सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (CCE) का उद्देश्य है

- (क) केवल वार्षिक परीक्षा लेना (ख) बालक के सर्वांगीण विकास का निरंतर मूल्यांकन करना
(ग) केवल अंक देना (घ) केवल रैंकिंग करना

180. रचनात्मक मूल्यांकन (Formative Assessment) होता है

- (क) वर्ष के अंत में एक बार (ख) शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया के दौरान निरंतर

- (ग) केवल प्रवेश परीक्षा में (घ) कभी नहीं
181. संकलनात्मक मूल्यांकन (Summative Assessment) होता है
 (क) निश्चित अवधि के अंत में (ख) प्रतिदिन
 (ग) शिक्षण के दौरान निरंतर (घ) केवल मौखिक रूप से
182. निदानात्मक परीक्षण (Diagnostic Test) का उद्देश्य है
 (क) बालक की रैंकिंग करना (ख) बालक की विशिष्ट कठिनाइयों की पहचान करना
 (ग) केवल अंक देना (घ) बालक की तुलना अन्य बालकों से करना
183. निदानात्मक परीक्षण के बाद आवश्यक अगला कदम है
 (क) परीक्षा परिणाम घोषित करना (ख) उपचारात्मक शिक्षण (Remedial Teaching)
 (ग) बालक को कक्षा से हटाना (घ) कुछ न करना
184. उपचारात्मक शिक्षण की विशेषता है
 (क) सभी बालकों हेतु समान रणनीति (ख) बालक की विशिष्ट आवश्यकता के अनुरूप व्यक्तिगत एवं भिन्न रणनीति
 (ग) केवल परीक्षा दोहराना (घ) केवल दंड देना
185. भाषा मूल्यांकन में 'पोर्टफोलियो' का प्रयोग किस हेतु उपयुक्त है?
 (क) समय के साथ बालक की समग्र प्रगति दर्शाने हेतु (ख) केवल एक दिन का प्रदर्शन दिखाने हेतु
 (ग) केवल अंतिम परीक्षा हेतु (घ) इसका कोई उपयोग नहीं
186. भाषा मूल्यांकन के 'प्रत्यक्ष' एवं 'अप्रत्यक्ष' रूपों में अंतर है
 (क) प्रत्यक्ष में वास्तविक कौशल प्रदर्शन, अप्रत्यक्ष में परोक्ष रूप से (जैसे बहुविकल्पीय) मूल्यांकन (ख) दोनों समान हैं
 (ग) अप्रत्यक्ष में वास्तविक कौशल प्रदर्शन होता है (घ) प्रत्यक्ष का कोई महत्व नहीं
187. मूल्यांकन में 'रुब्रिक' (Rubric) का उपयोग किस हेतु होता है?
 (क) स्पष्ट मानदंडों के आधार पर वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन हेतु (ख) केवल समय बचाने हेतु
 (ग) केवल अंक बढ़ाने हेतु (घ) इसका कोई विशेष उद्देश्य नहीं
188. स्व-मूल्यांकन (Self-Assessment) बालकों में विकसित करता है
 (क) आत्म-चिंतन एवं उत्तरदायित्व की भावना (ख) केवल आलस्य
 (ग) केवल प्रतिस्पर्धा (घ) इसका कोई लाभ नहीं
189. सहपाठी-मूल्यांकन (Peer Assessment) का लाभ है
 (क) आलोचनात्मक चिंतन एवं सहयोगात्मक अधिगम को बढ़ावा (ख) केवल समय की बर्बादी
 (ग) केवल प्रतिस्पर्धा बढ़ाना (घ) इसका कोई शैक्षणिक महत्व नहीं
190. बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs) मुख्यतः किस प्रकार के अधिगम का मूल्यांकन करते हैं?
 (क) केवल सृजनात्मक लेखन का (ख) ज्ञान एवं बोध स्तर का, सीमित रूप से उच्च-स्तरीय चिंतन का
 (ग) केवल मौखिक अभिव्यक्ति का (घ) केवल श्रवण कौशल का

191. भाषा मूल्यांकन को केवल लिखित परीक्षा तक सीमित रखना क्यों उचित नहीं है?

- (क) यह श्रवण एवं वाचन कौशल के मूल्यांकन की उपेक्षा करता है
(ख) लिखित परीक्षा आसान होती है
(ग) लिखित परीक्षा में समय लगता है
(घ) इसका कोई कारण नहीं

192. एक बालक जो पढ़ते समय बार-बार अक्षर छोड़ देता है या उल्टा पढ़ता है, संभवतः ग्रस्त है

- (क) डिस्लेक्सिया से
(ख) डिस्ग्राफिया से
(ग) एफ्रेज़िया से
(घ) हकलाहट से

193. भाषा विकार वाले बालकों हेतु उपचारात्मक शिक्षण में सर्वप्रथम आवश्यक है

- (क) कठिनाई की प्रकृति की सही पहचान करना
(ख) तुरंत दंड देना
(ग) बालक को कक्षा से हटाना
(घ) कुछ न करना

194. उपचारात्मक कक्षाओं में शिक्षक को अपनाना चाहिए

- (क) एक ही परंपरागत विधि
(ख) बहु-संवेदी (Multisensory) एवं क्रमिक शिक्षण विधियाँ
(ग) केवल श्रुतलेख
(घ) केवल दंड आधारित विधि

195. मूल्यांकन में प्रश्न-बैंक तैयार करते समय सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रश्न

- (क) केवल कठिन हों
(ख) पाठ्यक्रम के उद्देश्यों एवं विभिन्न संज्ञानात्मक स्तरों को समाहित करें
(ग) केवल आसान हों
(घ) केवल याद रखने योग्य हों

196. भाषा दक्षता मूल्यांकन में 'समग्र' एवं 'विश्लेषणात्मक' स्कोरिंग में अंतर है

- (क) समग्र में समग्र प्रभाव, विश्लेषणात्मक में विभिन्न घटकों का पृथक मूल्यांकन
(ख) दोनों समान हैं
(ग) विश्लेषणात्मक में समग्र प्रभाव देखा जाता है
(घ) इनका कोई अंतर नहीं

197. धीमी गति से सीखने वाले (Slow Learner) बालक हेतु शिक्षक की उचित रणनीति है

- (क) अतिरिक्त समय, सरल भाषा एवं चरणबद्ध अभ्यास देना
(ख) उसे कक्षा से बाहर करना
(ग) उसकी तुलना अन्य बालकों से करना
(घ) उस पर दबाव बढ़ाना

198. उपचारात्मक शिक्षण में अभिभावकों की भूमिका होती है

- (क) महत्वहीन
(ख) सहयोगी एवं महत्वपूर्ण
(ग) केवल औपचारिक
(घ) पूर्णतः अनावश्यक

199. भाषा परीक्षण में 'वैधता' (Validity) का अर्थ है

- (क) परीक्षण वही मापे जो मापने के लिए बनाया गया है
(ख) परीक्षण के परिणाम स्थिर रहें
(ग) परीक्षण आसान हो
(घ) परीक्षण कठिन हो

200. भाषा परीक्षण में 'विश्वसनीयता' (Reliability) का अर्थ है

- (क) परीक्षण के परिणामों में संगति एवं स्थिरता होना
(ख) परीक्षण वैध होना
(ग) परीक्षण कठिन होना
(घ) परीक्षण मौखिक होना

201. मूल्यांकन में 'वस्तुनिष्ठता' (Objectivity) सुनिश्चित करने हेतु क्या आवश्यक है?

- (क) स्पष्ट एवं पूर्वनिर्धारित उत्तर-कुंजी/मानदंड का प्रयोग करना
(ख) व्यक्तिगत पसंद के आधार पर अंक देना
(ग) कोई मानदंड न रखना
(घ) केवल अनुमान से अंक देना

202. भाषा शिक्षण में उपचारात्मक कार्यक्रम की सफलता हेतु आवश्यक है

- (क) एक बार का मूल्यांकन पर्याप्त है
(ख) नियमित पुनर्मूल्यांकन एवं रणनीति में आवश्यक परिवर्तन
(ग) केवल दंड बढ़ाना
(घ) बालक को कक्षा दोहराने हेतु कहना

203. 'एफ्रेज़िया' (Aphasia) संबंधित है

- (क) मस्तिष्क क्षति के कारण भाषा उत्पादन/बोध में कठिनाई से
(ख) केवल आँखों की समस्या से
(ग) केवल लिखावट की समस्या से
(घ) केवल वर्तनी की समस्या से

204. वाचादोष (Speech Disorder) से ग्रस्त बालक के प्रति कक्षा का वातावरण होना चाहिए

- (क) उपहासपूर्ण
(ख) सहयोगपूर्ण, बिना उपहास के, समावेशी
(ग) उपेक्षापूर्ण
(घ) दंडात्मक

205. सतत मूल्यांकन में 'अवलोकन' (Observation) एक महत्वपूर्ण उपकरण है क्योंकि यह

- (क) बालक के दैनिक व्यवहार एवं भाषा प्रयोग की वास्तविक झलक देता है
(ख) केवल परीक्षा परिणाम दिखाता है
(ग) इसका कोई महत्व नहीं है
(घ) केवल अनुमान पर आधारित है

206. विशेष आवश्यकता वाले बालकों हेतु मूल्यांकन में क्या आवश्यक है?

- (क) समान प्रश्नपत्र, कोई परिवर्तन नहीं
(ख) उनकी आवश्यकता के अनुरूप समायोजन (Accommodation)
(ग) उन्हें मूल्यांकन से बाहर रखना
(घ) कठिन प्रश्नपत्र देना

207. भाषा शिक्षण में फीडबैक देने का सर्वोत्तम समय है

- (क) महीनों बाद
(ख) यथासंभव तत्काल एवं रचनात्मक रूप में
(ग) केवल वार्षिक परीक्षा के बाद
(घ) फीडबैक आवश्यक नहीं

208. उपचारात्मक शिक्षण योजना बनाते समय सर्वप्रथम कदम है

- (क) सीधे अभ्यास कार्य देना
(ख) बालक के वर्तमान स्तर एवं कठिनाई की पहचान (मूल्यांकन)
(ग) बालक को दंड देना
(घ) अभिभावकों को दोष देना

209. 'आकलन के रूप में अधिगम' (Assessment as Learning) का अर्थ है

- (क) शिक्षक अकेले मूल्यांकन करे
(ख) बालक स्वयं अपने अधिगम की प्रक्रिया की निगरानी करना सीखे
(ग) केवल अंतिम परीक्षा महत्वपूर्ण है
(घ) मूल्यांकन की आवश्यकता नहीं

210. 'आकलन का अधिगम' (Assessment of Learning) मुख्यतः किस प्रकार का मूल्यांकन है?

- (क) रचनात्मक मूल्यांकन
(ख) संकलनात्मक मूल्यांकन
(ग) निदानात्मक मूल्यांकन
(घ) स्व-मूल्यांकन

211. 'अधिगम हेतु आकलन' (Assessment for Learning) मुख्यतः किस उद्देश्य से किया जाता है?
- (क) केवल रैंकिंग हेतु (ख) अधिगम प्रक्रिया में सुधार हेतु सतत फीडबैक देना
(ग) केवल प्रमाणपत्र देने हेतु (घ) केवल तुलना हेतु
212. भाषा शिक्षण में ग्रेडिंग प्रणाली (Grading System) का उद्देश्य है
- (क) तुलनात्मक दबाव कम करना एवं समग्र मूल्यांकन प्रस्तुत करना (ख) प्रतिस्पर्धा बढ़ाना
(ग) केवल रैंकिंग करना (घ) बालकों में भय उत्पन्न करना
213. उपचारात्मक शिक्षण में 'पुनरावृत्ति एवं अभ्यास' (Practice and Reinforcement) का महत्व है क्योंकि
- (क) यह अवधारणाओं को सुदृढ़ करता है (ख) इसका कोई महत्व नहीं
(ग) यह समय बर्बाद करता है (घ) यह बालक को हतोत्साहित करता है
214. समावेशी कक्षा में भाषा मूल्यांकन हेतु शिक्षक को सुनिश्चित करना चाहिए कि
- (क) मूल्यांकन विधि सभी बालकों के लिए न्यायसंगत एवं सुलभ हो (ख) केवल मेधावी बालकों को अवसर मिले
(ग) मूल्यांकन विधि सभी हेतु समान एवं अपरिवर्तनीय हो (घ) विशेष आवश्यकता वाले बालकों को मूल्यांकन से छूट दी जाए

शिक्षण सामग्री, पाठ्यपुस्तक एवं बहुभाषिकता

215. भाषा शिक्षण सामग्री (TLM) का मुख्य उद्देश्य है
- (क) अमूर्त अवधारणाओं को सरल एवं रोचक बनाना (ख) केवल कक्षा को सजाना
(ग) समय व्यतीत करना (घ) परीक्षा कठिन बनाना
216. दृश्य-श्रव्य सामग्री (Audio-Visual Aids) का प्रयोग भाषा शिक्षण में सहायक है क्योंकि
- (क) यह बहु-संवेदी अनुभव प्रदान करती है (ख) इसका सीखने से कोई संबंध नहीं
(ग) यह केवल मनोरंजन हेतु है (घ) यह समय बर्बाद करती है
217. फ्लैशकार्ड (Flashcards) का प्रयोग मुख्यतः किस हेतु होता है?
- (क) शब्द-पहचान एवं शब्द-भंडार विकास हेतु (ख) केवल निबंध लेखन हेतु
(ग) केवल व्याकरण परीक्षण हेतु (घ) केवल गृहकार्य हेतु
218. चार्ट, पोस्टर आदि जैसी सामग्री कक्षा में किस उद्देश्य हेतु उपयोगी हैं?
- (क) दृश्य समर्थन एवं संदर्भ प्रदान करने हेतु (ख) केवल दीवार सजाने हेतु
(ग) इनका कोई शैक्षणिक महत्व नहीं (घ) केवल परीक्षा हेतु
219. पाठ्यपुस्तक चयन/मूल्यांकन करते समय ध्यान देना चाहिए कि वह
- (क) बालकों के आयु-स्तर, संस्कृति एवं परिवेश के अनुकूल हो (ख) केवल मोटी एवं भारी हो
(ग) केवल रंगीन हो (घ) केवल महंगी हो
220. पाठ्यपुस्तक में विविध सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमियों का प्रतिनिधित्व होना क्यों आवश्यक है?
- (क) यह समावेशिता एवं समानता को बढ़ावा देता है (ख) इससे पुस्तक मोटी हो जाती है

- (ग) इसका कोई शैक्षणिक कारण नहीं (घ) इससे लागत बढ़ती है
221. NCF 2005 के अनुसार पाठ्यपुस्तक की भाषा कैसी होनी चाहिए?
- (क) अत्यंत कठिन एवं औपचारिक (ख) बालकों के अनुभव एवं जीवन से जुड़ी, बोझरहित
- (ग) केवल साहित्यिक एवं जटिल (घ) केवल परीक्षा-केंद्रित
222. भाषा शिक्षण में पूरक सामग्री (जैसे बाल पत्रिकाएँ, कहानी-पुस्तकें) का महत्व है
- (क) पठन रुचि एवं व्यापक ज्ञान विकसित करने में (ख) केवल समय व्यतीत करने में
- (ग) इसका कोई महत्व नहीं (घ) केवल परीक्षा तैयारी में
223. डिजिटल शिक्षण सामग्री (जैसे शैक्षिक ऐप, ई-कंटेंट) का उपयोग भाषा शिक्षण में
- (क) पूर्णतः निषिद्ध है (ख) पूरक साधन के रूप में उपयोगी है, प्रत्यक्ष शिक्षण का पूर्ण विकल्प नहीं
- (ग) प्रत्यक्ष शिक्षण का पूर्ण विकल्प है (घ) इसका कोई महत्व नहीं
224. कक्षा में 'भाषा कोना' (Language Corner) स्थापित करने का उद्देश्य है
- (क) स्वतंत्र पठन-लेखन हेतु समृद्ध वातावरण देना (ख) केवल कक्षा को सजाना
- (ग) परीक्षा आयोजित करना (घ) बालकों को व्यस्त रखना मात्र
225. RTE अधिनियम 2009 के अनुसार बालक को यथासंभव शिक्षा किस भाषा में दी जानी चाहिए?
- (क) केवल अंग्रेज़ी में (ख) मातृभाषा/घर की भाषा में
- (ग) केवल संस्कृत में (घ) केवल राजभाषा में
226. बहुभाषिकता (Multilingualism) को कक्षा में बढ़ावा देने का लाभ है
- (क) संज्ञानात्मक लचीलापन एवं सांस्कृतिक समझ का विकास (ख) भाषिक भ्रम उत्पन्न होना
- (ग) अधिगम में बाधा उत्पन्न होना (घ) इसका कोई लाभ नहीं
227. त्रिभाषा सूत्र (Three Language Formula) के अंतर्गत विद्यार्थी सामान्यतः कितनी भाषाएँ सीखते हैं?
- (क) एक (ख) दो
- (ग) तीन (घ) चार
228. बहुभाषी कक्षा में शिक्षक द्वारा बालकों की विभिन्न मातृभाषाओं का सम्मान करना
- (क) सीखने के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करता है (ख) अनावश्यक है
- (ग) भ्रम उत्पन्न करता है (घ) पाठ्यक्रम के विरुद्ध है
229. भाषा शिक्षण में स्थानीय लोककथाओं एवं गीतों का समावेश उपयोगी है क्योंकि
- (क) यह सांस्कृतिक जुड़ाव एवं रुचि बढ़ाता है (ख) इसका कोई शैक्षणिक महत्व नहीं
- (ग) यह पाठ्यक्रम को जटिल बनाता है (घ) इससे समय की बर्बादी होती है
230. प्रथम भाषा एवं द्वितीय भाषा शिक्षण के उद्देश्यों में मुख्य अंतर है
- (क) कोई अंतर नहीं है (ख) प्रथम भाषा में दक्षता विकास, द्वितीय भाषा में नई भाषा का परिचय एवं क्रमिक दक्षता
- (ग) द्वितीय भाषा हमेशा आसान होती है (घ) प्रथम भाषा शिक्षण अनावश्यक है

231. उपसंस्कृति की भाषाओं (Dialects/बोलियों) के प्रति कक्षा का दृष्टिकोण होना चाहिए
- (क) हीन समझना (ख) स्वीकार्यता एवं सम्मान का
(ग) उपेक्षा करना (घ) दंडित करना
232. पाठ्यपुस्तक में दिए गए अभ्यास प्रश्नों का उद्देश्य होना चाहिए
- (क) केवल स्मृति परीक्षण (ख) समझ, विश्लेषण एवं अनुप्रयोग को प्रोत्साहित करना
(ग) केवल कठिन प्रश्न पूछना (घ) केवल पुनरावृत्ति
233. शिक्षक संदर्शिका (Teacher's Handbook) का मुख्य उपयोग है
- (क) शिक्षण हेतु मार्गदर्शन एवं अतिरिक्त गतिविधियाँ प्रदान करना (ख) केवल परीक्षा प्रश्नपत्र बनाना
(ग) केवल अंक देना (घ) इसका कोई उपयोग नहीं
234. भाषा शिक्षण में समाचार-पत्र का प्रयोग किस स्तर पर विशेष रूप से उपयुक्त है?
- (क) प्रारंभिक बाल्यावस्था स्तर पर (ख) उच्च प्राथमिक/माध्यमिक स्तर पर पठन एवं समसामयिक ज्ञान हेतु
(ग) इसका कोई उपयोग नहीं (घ) केवल शिक्षकों हेतु
235. पाठ्यपुस्तक के अतिरिक्त वास्तविक जीवन की सामग्री (Authentic Material) जैसे रेलवे टिकट, विज्ञापन का प्रयोग सिखाता है
- (क) वास्तविक जीवन में भाषा के व्यावहारिक प्रयोग को (ख) केवल व्याकरण नियम
(ग) इसका कोई शैक्षणिक महत्व नहीं (घ) केवल परीक्षा हेतु उपयोगी है
236. भाषा शिक्षण में कक्षा-पुस्तकालय (Class Library) की भूमिका है
- (क) स्वतंत्र एवं व्यापक पठन को प्रोत्साहित करना (ख) केवल पुस्तकें रखना मात्र
(ग) इसका कोई शैक्षणिक महत्व नहीं (घ) केवल शिक्षकों हेतु उपयोगी
237. NEP 2020 के अनुसार भाषा शिक्षण में विशेष बल दिया गया है
- (क) केवल अंग्रेज़ी शिक्षण पर (ख) बहुभाषिकता एवं मातृभाषा में प्रारंभिक शिक्षा पर
(ग) केवल संस्कृत शिक्षण पर (घ) केवल विदेशी भाषा शिक्षण पर
238. भाषा शिक्षण सामग्री तैयार करते समय शिक्षक को ध्यान रखना चाहिए कि सामग्री
- (क) बालकों की आयु, स्तर एवं रुचि के अनुकूल हो (ख) केवल महंगी हो
(ग) केवल शिक्षक की सुविधानुसार हो (घ) इसका कोई मानदंड नहीं
239. पाठ्यपुस्तक में लैंगिक रूढ़ियों (Gender Stereotypes) से बचाव क्यों आवश्यक है?
- (क) समानता एवं समावेशी दृष्टिकोण को बढ़ावा देने हेतु (ख) इससे पुस्तक आकर्षक बनती है
(ग) इसका कोई कारण नहीं (घ) केवल परंपरा हेतु
240. 'पाठ्यचर्या' (Curriculum) एवं 'पाठ्यपुस्तक' (Textbook) में अंतर है
- (क) दोनों समान हैं (ख) पाठ्यचर्या व्यापक रूपरेखा है, पाठ्यपुस्तक उसका एक साधन मात्र
(ग) पाठ्यपुस्तक व्यापक है, पाठ्यचर्या साधन है (घ) इनमें कोई संबंध नहीं
241. भाषा शिक्षक की सतत व्यावसायिक विकास (CPD) की आवश्यकता क्यों है?
- (क) नवीन शिक्षण विधियों एवं शोध से अद्यतन रहने हेतु (ख) इसकी कोई आवश्यकता नहीं

- (ग) केवल पदोन्नति हेतु (घ) केवल औपचारिकता हेतु
242. कक्षा में बुलेटिन बोर्ड पर विद्यार्थियों की रचनाएँ प्रदर्शित करना
 (क) प्रोत्साहन एवं आत्मविश्वास बढ़ाता है (ख) समय की बर्बादी है
 (ग) इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ता (घ) केवल दीवार सजाने हेतु है
243. भाषा शिक्षण में 'अनुभव-आधारित शिक्षण' (Experiential Learning) का महत्व है क्योंकि
 (क) प्रत्यक्ष अनुभव से भाषा अधिक सार्थक ढंग से सीखी जाती है (ख) इसका कोई महत्व नहीं
 (ग) यह समय बर्बाद करता है (घ) यह केवल उच्च कक्षाओं हेतु उपयुक्त है
244. समावेशी कक्षा हेतु शिक्षण सामग्री में क्या सुनिश्चित करना चाहिए?
 (क) विविध अधिगम शैलियों एवं आवश्यकताओं के अनुरूप विविधता (ख) केवल एक ही प्रकार की सामग्री पर्याप्त है
 (ग) केवल मेधावी बालकों हेतु सामग्री (घ) सामग्री की कोई आवश्यकता नहीं
245. भाषा शिक्षण में पाठ योजना (Lesson Plan) बनाते समय सर्वप्रथम निर्धारित करना चाहिए
 (क) मूल्यांकन विधि (ख) स्पष्ट शिक्षण उद्देश्य (Learning Objectives)
 (ग) गृहकार्य (घ) कक्षा की सजावट
246. एक अच्छी पाठ योजना में सम्मिलित होना चाहिए
 (क) केवल उद्देश्य (ख) उद्देश्य, शिक्षण सामग्री, गतिविधियाँ एवं मूल्यांकन
 (ग) केवल गृहकार्य (घ) केवल परीक्षा तिथि
247. भाषा शिक्षण में 'भिन्नतापूर्ण अनुदेशन' (Differentiated Instruction) का अर्थ है
 (क) सभी बालकों हेतु समान शिक्षण (ख) विभिन्न क्षमता स्तर के बालकों हेतु शिक्षण रणनीतियों में विविधता लाना
 (ग) केवल मेधावी बालकों पर ध्यान देना (घ) केवल कमजोर बालकों पर ध्यान देना
248. कक्षा में प्रतिभाशाली (Gifted) बालकों हेतु भाषा शिक्षण में शिक्षक को क्या प्रदान करना चाहिए?
 (क) चुनौतीपूर्ण एवं उन्नत गतिविधियाँ (ख) केवल सरल गतिविधियाँ
 (ग) कोई अतिरिक्त सामग्री नहीं (घ) उन्हें उपेक्षित करना
249. भाषा शिक्षक की सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका है
 (क) केवल परीक्षा लेना (ख) सुविधाप्रदाता एवं मार्गदर्शक के रूप में सहायक एवं प्रेरक वातावरण बनाना
 (ग) केवल पाठ्यपुस्तक पढ़ाना (घ) केवल अनुशासन बनाए रखना
250. भाषा शिक्षण के समग्र उद्देश्य को सर्वोत्तम रूप से परिभाषित किया जा सकता है
 (क) बालक में प्रभावी संप्रेषण क्षमता, आलोचनात्मक चिंतन एवं सृजनात्मकता का विकास करना (ख) केवल परीक्षा उत्तीर्ण कराना
 (ग) केवल व्याकरण के नियम रटाना (घ) केवल वर्तनी शुद्ध कराना

उत्तर कुंजी (Answer Key)

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख सही विकल्प (क/ख/ग/घ) दर्शाया गया है।

प्र.सं.	उत्तर	प्र.सं.	उत्तर	प्र.सं.	उत्तर	प्र.सं.	उत्तर	प्र.सं.	उत्तर
1	क	2	क	3	ख	4	ग	5	क
6	ख	7	घ	8	ख	9	क	10	ग
11	ख	12	क	13	ग	14	क	15	ख
16	ग	17	ख	18	क	19	ख	20	ख
21	ख	22	क	23	ख	24	ख	25	ख
26	क	27	ख	28	ख	29	ख	30	क
31	ख	32	ग	33	ख	34	क	35	क
36	ग	37	ख	38	ग	39	क	40	क
41	क	42	ख	43	ख	44	क	45	ग
46	क	47	क	48	क	49	क	50	क
51	क	52	ख	53	ख	54	ख	55	क
56	क	57	ख	58	ख	59	क	60	क
61	क	62	ख	63	ख	64	ख	65	ख
66	क	67	ख	68	ख	69	ख	70	क
71	ख	72	ख	73	ख	74	क	75	ख
76	ख	77	ख	78	ख	79	ख	80	क
81	ख	82	क	83	क	84	ख	85	क
86	ख	87	ख	88	क	89	ख	90	क
91	क	92	ख	93	क	94	ख	95	क
96	ख	97	ख	98	ख	99	क	100	ग
101	ख	102	ख	103	क	104	ख	105	ख
106	ख	107	ख	108	क	109	ख	110	ख
111	क	112	ख	113	क	114	ख	115	ख
116	ख	117	ख	118	क	119	ख	120	क
121	क	122	ख	123	ख	124	ख	125	ख
126	क	127	ख	128	ख	129	क	130	ख
131	ख	132	क	133	क	134	ख	135	क
136	क	137	ख	138	क	139	ख	140	क
141	क	142	ख	143	ख	144	क	145	क
146	ख	147	क	148	ख	149	क	150	क

प्र.सं.	उत्तर	प्र.सं.	उत्तर	प्र.सं.	उत्तर	प्र.सं.	उत्तर	प्र.सं.	उत्तर
151	ख	152	ख	153	ख	154	क	155	क
156	ख	157	ख	158	ख	159	ख	160	ख
161	क	162	ख	163	क	164	क	165	ख
166	क	167	ख	168	क	169	क	170	ख
171	ख	172	क	173	ख	174	क	175	क
176	ख	177	क	178	ख	179	ख	180	ख
181	क	182	ख	183	ख	184	ख	185	क
186	क	187	क	188	क	189	क	190	ख
191	क	192	क	193	क	194	ख	195	ख
196	क	197	क	198	ख	199	क	200	क
201	क	202	ख	203	क	204	ख	205	क
206	ख	207	ख	208	ख	209	ख	210	ख
211	ख	212	क	213	क	214	क	215	क
216	क	217	क	218	क	219	क	220	क
221	ख	222	क	223	ख	224	क	225	ख
226	क	227	ग	228	क	229	क	230	ख
231	ख	232	ख	233	क	234	ख	235	क
236	क	237	ख	238	क	239	क	240	ख
241	क	242	क	243	क	244	क	245	ख
246	ख	247	ख	248	क	249	ख	250	क

— Meer Sir Academy — शुभकामनाएँ! ✨